Hindustan Hindi (08.03.2016)

'युवाओं की क्षमता और सामर्थ्य की परीक्षा'

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मेक इन इंडिया में भूमिका विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का सोमवार को समापन हो गया।

समापन सत्र में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति प्रोफेसर बृज किशोर कुठियाला ने कहा कि मेक इन इंडिया अभियान समर्थ एवं सक्षम भारत की बुनियाद है। मेक इन इंडिया अभियान को भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष से जोड़ते हुए प्रोफेसर कुठियाला ने कहा कि हरित क्रांति से देश को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना मेक इन इंडिया का पहला सफल उदाहरण था। वैज्ञानिकों ने पोखरण परीक्षण के माध्यम से देश को रक्षा के क्षेत्र में सक्षम बनाया। इसके बाद सफल मंगलयान भारतीय वैज्ञानिकों की क्षमता की मिसाल है। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया भारतीय युवाओं की क्षमता एवं सामर्थ्य की परीक्षा है। इसकी सफलता के लिए युवाओं को बडा योगदान देना होगा।

प्रो. कुठियाला ने कहा कि मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, स्टार्ट अप जैसे अभियान आज युवाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन मंच प्रदान कर रहे हैं और अब यह युवा शक्ति पर निर्भर करता है कि अपनी क्षमताओं का प्रयोग किस प्रकार करते है। वाईएमसीए की पूर्व कुलसचिव डॉ. शिमला ने कहा कि मेक इन इंडिया अभियान का मुख्य केंद्र बिंदु देश का आर्थिक विकास तथा कौशल विकास है। भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक में उप महाप्रबंधक एसपी सिंह ने कहा, मेक इन इंडिया ने युवाओं को नए उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक आईपी ऋचा प्रकाश ने बौद्धिक संपदा अधिकारों पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। सम्मेलन को अग्रवाल कालेज के प्रिंसिपल डॉ कृष्णकांत, डॉ दिनेश कुमार व प्रो. संदीप ग्रोवर ने भी संबोधित किया। सम्मेलन के अध्यक्ष प्रोफेसर राज कुमार ने बताया कि तकनीकी सत्रों में करीब 287 प्रतिभागियों ने करीब 202 पेपर प्रस्तुत किए। सम्मेलन की संयोजक डॉ सोनिया बंसल व डॉ मुनीष वशिष्ठ ने धन्यवाद प्रस्तुत किया।

फरीदाबाद स्थित वाईएमसीए में चल रहे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मेक इन इंडिया सम्मेलन के समापन पर कुलपति प्रोफेसर बृज किशोर कुठियाला ने संबोधित किया।

Dainik Bhaskar (08.03.2016)

'मेक इन इंडिया' युवाओं की क्षमता और सामर्थ्य की परीक्षा

कुठियाला बोले- हरित क्रांति से देश को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना पहला उदाहरण

▪ सफलता के लिए युवाओं को देना होगा बड़ा योगदान

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

मेक इन इंडिया युवाओं की क्षमता और सामर्थ की परीक्षा है। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मेक इन इंडिया में भूमिका पर तीन दिवसीय सम्मेलन के समापन पर सोमवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति प्रो. बृज किशोर कुठियाला संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा मेक इन इंडिया अभियान को समर्थ एवं सक्षम भारत की बुनियाद है। मेक इन इंडिया अभियान को भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष से जोड़ते हुए प्रो. कुठियाला ने कहा कि हरित क्रांति से देश को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना मेक इन इंडिया का पहला सफल उदाहरण था। हमारे वैज्ञानिकों ने पोखरण परीक्षा द्वारा देश को रक्षा के क्षेत्र में सक्षम बनाया। इसके बाद परम कम्प्यूटर तथा क्रायोजेनिक इंजन का निर्माण भारतीय वैज्ञानिकों की क्षमता की मिसाल है। उन्होंने कहा मेक इन इंडिया भारतीय युवाओं की क्षमता एवं सामर्थ्य की परीक्षा है और इसकी सफलता के लिए युवाओं को बड़ा योगदान देना होगा।

समापन सत्र की विशिष्ट अतिथि वाईएमसी विश्वविद्यालय की पूर्व कुलसचिव डॉ. शिमला ने कहा कि मेक इन इंडिया अभियान का मुख्य केन्द्र बिन्दु देश का आर्थिक विकास तथा कौशल विकास है और शिक्षण संस्थान कौशल आधारित शिक्षा तीसरे दिन सम्मेलन के पहले सत्र को भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक में उप महाप्रबंधक एसपी सिंह ने संबोधित किया। उन्होंने मेक इन इंडिया के तहत युवाओं को नए उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक आईपी ऋचा प्रकाश ने बौद्धिक संपदा अधिकारों पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने पेटेंट, ट्रेडमार्क तथा सेवा चिन्ह संबंधी नियमों पर चर्चा कर नई प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान कार्यों में इसकी उपयोगिता के बारे में बताया। बल्लभगढ़ स्थित अग्रवाल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने मेक इन इंडिया के संदर्भ में विद्यार्थियों को नए अनुसंधान एवं प्रयोग के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि देश में प्रौद्योगिक विकास के लिए बेहद जरूरी है कि वैचारिक आदान प्रदान को बढ़ावा मिले। सत्र की अध्यक्षता कुलपति डॉ. दिनेश कुमार ने की तथा फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी प्रो. संदीप ग्रोवर ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। तीन दिवसीय सम्मेलन का संक्षिप्त विवरण देते हुए सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. राजकुमार ने बताया कि सम्मेलन के तकनीकी सत्र के दौरान 287 प्रतिभागियों द्वारा 202 पेपर्स प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन की संयोजक डॉ. सोनिया बंसल ने बताया कि सम्मेलन के दौरान विभिन्न नौ सत्रों में 20 से अधिक वक्ताओं ने सम्मेलन के विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

Dainik Jagran(08.03.2016)

मेक इन इंडिया युवाओं की सामर्थ्य परीक्षा

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मेक इन इंडिया की भूमिका को लेकर चल रहा तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन सोमवार को समाप्त हो गया। इस अवसर पर माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति प्रोफेसर बृज किशोर कुठियाला ने युवाओं को मेक इन इंडिया को लेकर प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि हरित क्रांति से देश को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना मेक इन इंडिया का पहला सफल उदाहरण था। हमारे वैज्ञानिकों ने पोखरण परीक्षा द्वारा देश को रक्षा के क्षेत्र में सक्षम बनाया। इसके बाद क्रायोजेनिक इंजन का निर्माण भारतीय वैज्ञानिकों की क्षमता की मिसाल है। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया भारतीय युवाओं की क्षमता एवं सामर्थ्य की परीक्षा है और इसकी सफलता के लिए युवाओं को बड़ा योगदान देना होगा। वाईएमसीए विश्वविद्यालय की पूर्व कुल सचिव डॉ शिमला ने कहा कि मेक इन इंडिया अभियान का मुख्य केंद्र बिंदु देश का आर्थिक और कौशल विकास है। शिक्षण संस्थानों को कौशल आधारित शिक्षा प्रदान कर आर्थिक विकास में अपनी भूमिका सुनिश्चित करनी होगी।

तीन दिवसीय सम्मेलन का विवरण देते हुए सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. राजकुमार ने बताया कि सम्मेलन के तकनीकी सत्रों के दौरान 287 प्रतिभागियों द्वारा 202 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

- वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सम्मेलन समाप्त
- 287 प्रतिभागियों ने पेश किए 202 शोध पत्र प्रस्तुत

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में आयोजित मेक इन इंडिया सेमीनार में विचार रखते माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलपति बृज किशोर कुठियाला। जागरण

Dainik Tribune (08.03.2016)

उत्तर भारत का सम्पूर्ण समाचार पत्र
दैनिक ट्रिब्यून
Current Time: March 8, 2016, 9:01 am

'मेक इन इंडिया अभियान समर्थ भारत की बुनियाद'

Posted On March - 7 - 2016

फरीदाबाद, 7 मार्च (हप्र)

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मेक इन इंडिया में भूमिका' को लेकर चल रहा तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज संपन्न हो गया।

सम्मेलन के समापन सत्र में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया अभियान को समर्थ एवं सक्षम भारत की बुनियाद है। मेक इन इंडिया अभियान को भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष से जोड़ते हुए प्रो. कुठियाला ने कहा कि हरित क्रांति से देश को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना मेक इन इंडिया का पहला सफल उदाहरण था। प्रो. कुठियाला ने कहा कि मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, स्टार्ट अप जैसे अभियान आज युवाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन मंच प्रदान कर रहे हैं और अब यह युवा शक्ति पर निर्भर करता है कि अपनी क्षमताओं का प्रयोग किस प्रकार करते हैं।